दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

कंपार्टमेंट वाले छात्रों को राहत, बोर्ड का 'वन-टाइम स्पेशल चांस' देने का ऐलान

सवेरा न्यूज/रवीन्द्र वासन

धर्मशाला,29 जुलाई : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) ने उन सैकड़ों विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है, जो मार्च-2026 की बोर्ड परीक्षाओं में फेल हो गए थे, लेकिन री-इवैल्यूएशन के बाद उनकी उम्मीदें फिर से जाग गई हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनका परिणाम पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के बाद 'फेल' से 'कंपार्टमेंट' या 'एसेंशियल इम्प्रूवमेंट' की श्रेणी में बदला है, उन्हें बोर्ड परीक्षा पास करने के लिए एक 'वन-टाइम स्पेशल चांस' (एकमुश्त विशेष अवसर) देने जा रहा है। बोर्ड का यह संवेदनशील निर्णय उन छात्रों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, जो जुलाई में हुई अनुपूरक परीक्षा में शामिल होने से वंचित रह गए थे।

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस अहम फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित 10वीं (मैट्रिक) और 12वीं (जमा दो) की नियमित परीक्षाओं के बाद कई छात्रों ने अपने अंकों से असंतुष्ट होकर पुनर्मूल्यांकन (Re-evaluation) और पुनर्निरीक्षण (Re-checking) के लिए आवेदन किया था। जब इन आवेदनों का संशोधित परिणाम घोषित हुआ, तो मैट्रिक के 222 और जमा दो के 155 परीक्षार्थियों का परिणाम सुधरकर 'अनुत्तीर्ण' (Fail) से 'Essential Improvement/ Compartment' में तब्दील हो गया।

इन 377 विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह खड़ी हो गई थी कि जब तक उनका यह संशोधित परिणाम आया, तब तक जुलाई 2026 में आयोजित होने वाली अनुपूरक (सप्लीमेंट्री) या द्वितीय परीक्षा संपन्न हो चुकी थी। परिणाम देरी से आने के कारण ये छात्र उस परीक्षा में बैठने से पूरी तरह चूक गए थे। ऐसे में इन विद्यार्थियों का एक पूरा शैक्षणिक वर्ष दांव पर लगा था। विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा बोर्ड ने इन सभी पात्र परीक्षार्थियों को यह विशेष मौका देने का न्यायसंगत निर्णय लिया है।

शिक्षा बोर्ड ने सभी संबंधित पात्र अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे बोर्ड द्वारा जल्द जारी की जाने वाली अधिसूचना और परीक्षा कार्यक्रम (शेड्यूल) के लिए नियमित रूप से अपडेट चेक करते रहें। छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन की सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर लें, ताकि इस विशेष अवसर का लाभ उठा सकें।

Dainik Jagran 30-07-2026

कंपार्टमेंट वाले विद्यार्थियों को मिलेगा परीक्षा का विशेष अवसर

- **देरी से संशोधित परिणाम आने से अनुपूरक परीक्षा में भाग नहीं ले सके थे विद्यार्थी**
- **बोर्ड के इस निर्णय से 10वीं के 222, जमा दो के 155 विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ**

जागरण संवाद केंद्र, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने उन विद्यार्थियों के लिए राहत की घोषणा की है जो मार्च 2026 की परीक्षाओं में फेल हो गए थे। पुनर्मूल्यांकन के बाद, जिन छात्रों का परिणाम 'फेल' से 'कंपार्टमेंट' या 'एसेंशियल इम्प्रूवमेंट' में बदला है, उन्हें एक 'वन-टाइम स्पेशल चांस' (एकमुश्त विशेष अवसर) दिया जाएगा। यह निर्णय उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो जुलाई में हुई अनुपूरक परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे।

डा. राजेश शर्मा
● जागरण आर्काइव

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च 2026 में आयोजित 10वीं और 12वीं की नियमित परीक्षाओं के बाद कई छात्रों ने अपने अंकों से असंतुष्ट होकर पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था। जब परिणाम घोषित हुआ तो 222 मैट्रिक और 155 जमा दो परीक्षार्थियों का परिणाम सुधरकर 'एसेंसियल एंप्रूवमेंट-कंपार्टमेंट' में तब्दील हो गया। इन 377 विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह थी कि जब तक उनका संशोधित परिणाम आया, तब तक जुलाई 2026 में आयोजित होने वाली अनुपूरक परीक्षा हो चुकी थी। परिणाम की देरी के कारण ये छात्र उस परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे, जिससे उनका एक पूरा शैक्षणिक वर्ष दांव पर लग गया था। विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शिक्षा बोर्ड ने यह विशेष अवसर देने का निर्णय लिया है।

डा. शर्मा ने स्पष्ट किया कि शिक्षा बोर्ड हमेशा विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देता है और विद्यार्थी-केंद्रित निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस विशेष परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया और परीक्षा की तिथियों की जानकारी जल्द आधिकारिक तौर पर जारी की जाएगी। शिक्षा बोर्ड ने सभी पात्र अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे जल्द जारी होने वाली अधिसूचना और परीक्षा कार्यक्रम के लिए अपडेट चेक करते रहें।

Amar Ujala 30-07-2026

शिक्षा बोर्ड 10वीं-12वीं के 377 छात्रों को पास होने के लिए देगा विशेष मौका

पुनर्मूल्यांकन में फेल से कंपार्टमेंट श्रेणी में बदले छात्र, सप्लीमेंट्री परीक्षा से रहे थे वंचित

संवाद न्यूज एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं कक्षा के 377 विद्यार्थियों को पास होने का विशेष मौका देगा। मार्च की बोर्ड परीक्षाओं में फेल हुए जिन छात्रों का परिणाम पुनर्मूल्यांकन व पुनर्निरीक्षण के बाद कंपार्टमेंट या एसेंशियल इम्प्रूवमेंट में बदला है, उन्हें सप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए वन टाइम स्पेशल चांस दिया जाएगा।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च की नियमित परीक्षाओं के बाद कई विद्यार्थियों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था। संशोधित परिणाम में मैट्रिक (10वीं) के 222 और जमा दो (12वीं) के 155 परीक्षार्थियों का परिणाम कंपार्टमेंट श्रेणी में आ गया। हालांकि, जब तक यह परिणाम घोषित हुआ, तब तक जुलाई की अनुपूरक परीक्षाएं संपन्न हो चुकी थीं। परिणाम देरी से आने के कारण ये छात्र जुलाई की परीक्षा में बैठने से चूक गए थे और उनका पूरा साल खराब होने की नौबत आ गई थी। छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह विशेष मौका देने का निर्णय लिया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया और परीक्षा की तिथियों की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा बोले, जल्द जारी होगी आवेदन और परीक्षा की तिथियां

तकनीकी विवि में बी फार्मेसी, बीटेक में 285 अभ्यर्थियों की लेटरल एंट्री

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री), बीटेक (लेटरल एंट्री) की पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग की 285 सीटें आवंटित की हैं। बीटेक में 153 और बी फार्मेसी में 132 सीटें हैं। बीटेक व बी फार्मेसी में सीटों का आवंटन डिप्लोमा की मेरिट के आधार पर किया गया है। इसके अलावा बी आर्क, एमटेक (सभी विषय) के नए सत्र में प्रवेश के लिए भी पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग हुई, जिसमें बी आर्क की 21 सीटें और एमटेक में 19 सीटें आवंटित की गईं। एमबीए और एमसीए के तीसरे चरण की काउंसलिंग में 137 सीटें मेरिट के आधार आवंटित की गईं। एमसीए की 76 और एमबीए 61 सीटें शामिल हैं। विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि काउंसलिंग ऑनलाइन माध्यम से हुई है। जिन्हें सीटें आवंटित हुई हैं, उन्हें संबंधित शिक्षण संस्थान में 31 जुलाई शाम पांच बजे तक रिपोर्ट करनी होगी। संवाद

एचपीयू में एलएलबी, बीटेक समेत कई नई कक्षाएं शुरू

शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की नई कक्षाएं बुधवार से शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने इन पाठ्यक्रमों का कक्षा कार्यक्रम (टाइम टेबल) जारी कर दिया है, जिसके बाद विभागों में नियमित शिक्षण कार्य आरंभ हो गया है। जिन पाठ्यक्रमों की कक्षाएं आज से शुरू हुई हैं, उनमें एलएलबी प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर, एमएससी फॉरेंसिक साइंस प्रथम सेमेस्टर, एमपीएड, एमए शारीरिक शिक्षा प्रथम और तृतीय सेमेस्टर, पीएचडी पाठ्यक्रम, एमटीटीएम के विषम सेमेस्टर, एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार के विषम सेमेस्टर, एमए समाजशास्त्र, एमए सोशल वर्क तथा बीटेक के विषम सेमेस्टर शामिल हैं। संवाद

Divya Himachal 30-07-2026

बोर्ड परीक्षा पास करने को स्पेशल चांस

फेल से कंपार्टमेंट कैटेगरी में आए छात्रों को बड़ी राहत, शिक्षा बोर्ड ने दिया विशेष मौका

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

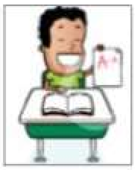

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने उन सैकड़ों विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है, जो मार्च-2026 की बोर्ड परीक्षाओं में फेल हो गए थे, लेकिन री-इवैल्यूएशन के बाद उनकी उम्मीदें फिर से जाग गई हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनका परिणाम पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के बाद फेल से कंपार्टमेंट या एसेंशियल इंप्रूवमेंट की श्रेणी में बदला है, उन्हें बोर्ड परीक्षा पास करने के लिए एक वन-टाइम स्पेशल चांस देने जा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा का यह संवेदनशील निर्णय उन छात्रों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, जो जुलाई में हुई अनुपूरक परीक्षा में शामिल होने से वंचित रह गए थे। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इस अहम फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित 10वीं (मैट्रिक) और 12वीं (जमा दो) की नियमित परीक्षाओं के बाद कई छात्रों ने अपने अंकों से असंतुष्ट होकर पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के लिए आवेदन किया था। जब इन आवेदनों का संशोधित परिणाम घोषित हुआ, तो मैट्रिक के 222 और जमा दो के 155 परीक्षार्थियों का परिणाम सुधरकर अनुत्तीर्ण में तबदील हो गया। इन 377 विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह खड़ी हो गई थी कि जब तक उनका यह संशोधित परिणाम आया, तब तक जुलाई 2026 में आयोजित होने वाली अनुपूरक (सप्लीमेंट्री) या द्वितीय परीक्षा संपन्न हो चुकी थी। परिणाम देरी से आने के कारण ये छात्र उस परीक्षा में बैठने से पूरी तरह चूक गए थे। ऐसे में इन विद्यार्थियों का एक पूरा शैक्षणिक वर्ष दांव पर लगा था।

छात्रों से अपील शिक्षा बोर्ड ने सभी संबंधित पात्र अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे बोर्ड द्वारा जल्द जारी की जाने वाली अधिसूचना और परीक्षा कार्यक्रम (शेड्यूल) के लिए नियमित रूप से अपडेट चैक करते रहें। छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन की सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर लें, ताकि इस विशेष अवसर का लाभ उठा सकें।

- **10वीं और 12वीं के सैकड़ों छात्रों को मिलेगा लाभ**

विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा बोर्ड ने इन सभी पात्र परीक्षार्थियों को यह विशेष मौका देने का न्यायसंगत निर्णय लिया है। आवेदन प्रक्रिया कैसे होगी और परीक्षा की तिथियां क्या होंगी, इस संबंध में एक विस्तृत अधिसूचना बोर्ड द्वारा जल्द ही आधिकारिक तौर पर जारी की जाएगी।

Anant Gyan 30-07-2026

फेल से कंपार्टमेंट में आए छात्रों को राहत, शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष का परीक्षा का 'स्पेशल चांस' देने का ऐलान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने उन सैकड़ों विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है, जो मार्च-2026 की बोर्ड परीक्षाओं में फेल हो गए थे, लेकिन री-इवैल्यूएशन के बाद उनकी उम्मीदें फिर से जाग गई हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनका परिणाम पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के बाद 'फेल' से 'कंपार्टमेंट' या 'एसेंशियल इम्प्रूवमेंट' की श्रेणी में बदला है, उन्हें बोर्ड परीक्षा पास करने के लिए एक 'वन-टाइम स्पेशल चांस' (एकमुश्त विशेष अवसर) देने जा रहा है। बोर्ड का यह संवेदनशील निर्णय उन छात्रों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, जो जुलाई में हुई अनुपूरक परीक्षा में शामिल होने से वंचित रह गए थे।

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस अहम फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित 10वीं (मैट्रिक) और 12वीं (जमा दो) की नियमित परीक्षाओं के बाद कई छात्रों ने अपने अंकों से असंतुष्ट होकर पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के लिए आवेदन किया था। जब इन आवेदनों का संशोधित परिणाम घोषित हुआ, तो मैट्रिक के 222 और जमा दो के 155 परीक्षार्थियों का परिणाम सुधरकर 'अनुत्तीर्ण' से 'ज़रूरी सुधार/कम्पार्टमेंट में तब्दील हो गया। इन 377

◆ 10वीं के 222 और 12वीं के 155 परीक्षार्थियों का एक साल बर्बाद होने से बचा

विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह खड़ी हो गई थी कि जब तक उनका यह संशोधित परिणाम आया, तब तक जुलाई 2026 में आयोजित होने वाली अनुपूरक (सप्लीमेंट्री) या द्वितीय परीक्षा संपन्न हो चुकी थी। परिणाम देरी से आने के कारण ये छात्र उस परीक्षा में बैठने से पूरी तरह चूक गए थे। ऐसे में इन विद्यार्थियों का एक पूरा शैक्षणिक वर्ष दांव पर लगा था। विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा बोर्ड ने इन सभी पात्र परीक्षार्थियों को यह विशेष मौका देने का न्यायसंगत निर्णय लिया है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि शिक्षा बोर्ड हमेशा से विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है और विद्यार्थी-केंद्रित निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस विशेष परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया कैसे होगी व परीक्षा की तिथियां क्या होंगी, इस संबंध में एक विस्तृत अधिसूचना बोर्ड द्वारा जल्द ही आधिकारिक तौर पर जारी की जाएगी।

Education Board Grants Special Exam Opportunity to Students Whose Status Changed from 'Fail' to 'Compartment'

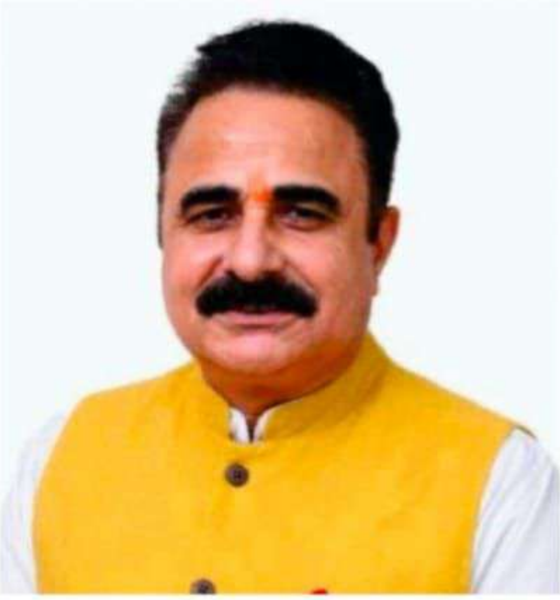

SANJAY AGGARWAL
DHARAMSHALA JUL 29 : The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has brought smiles back to the faces of hundreds of students who had initially failed the March 2026 board examinations but saw their hopes revived following re-evaluation. The Board is granting a 'one-time special chance' to pass the board exam to students whose results shifted from the 'Fail' category to 'Compartment' or 'Essential Improvement' after re-evaluation and re-checking. This compassionate decision by the Board serves as a lifeline for students who had missed the opportunity to appear for the supplementary examination held in July. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Education Board, announced this significant decision, explaining that following the regular 10th (Matric) and 12th examinations held in March 2026, many students dissatisfied with their marks had applied for re-evaluation and re-checking. When the revised results for these applications were declared, the status of 222 Matric and 155 Plus Two candidates improved from 'Fail' to 'Essential Improvement/Compartment'.

These 377 students faced a major dilemma: by the time their revised results were released, the supplementary (or second) examination scheduled for July 2026 had already concluded. Consequently, due to the delayed results, these students had completely missed the chance to sit for that exam, putting an entire academic year at stake. To safeguard the students' future and protect their academic interests, the Education Board has made the fair decision to grant this special opportunity to all such eligible candidates. Board Chairman Dr. Sharma clarified that the Education Board has always accorded top priority to the interests of students and remains committed to making student-centric decisions. He stated that the Board would soon issue an official, detailed notification outlining the application process and the dates for this special examination. The Education Board has urged all eligible candidates and their parents to regularly check for updates regarding the forthcoming notification and the examination schedule.

JULY 30, 2026 THURSDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HPBOSE ANNOUNCES 'ONE-TIME SPECIAL CHANCE' FOR CLASS 10 AND 12 STUDENTS

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has stepped in to save an entire academic year for 377 students through a crucial "one-time special chance" examination.

The decision benefits 222 students from Class 10 and 155 from Class 12. Initially declared fail in the March 2026 board exams, these students applied for re-evaluation and re-checking. When the board updated their results, their status improved from fail to compartment or essential improvement.

However, a serious catch left these students stranded: by the time their revised results came out, the supplementary exams held in July 2026 had already concluded. Missing those exams meant losing a full school year through no fault of their own.

HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma announced that the board made the student-friendly decision to grant these candidates an exclusive extra exam attempt. He emphasized that protecting students' futures remains the board's highest priority. HPBOSE will release the detailed schedule and application procedure shortly, and eligible students are advised to watch the official board portal to complete their formalities on time.